करेंट अफेयर्स

20 सितंबर 2022

बधिर लोगों का अंतर्राष्ट्रीय सप्ताह 2022: 19 से 25 सितंबर 2022

हर साल, सितंबर के आखिरी रविवार को समाप्त होने वाले पूरे सप्ताह को बधिरों के अंतर्राष्ट्रीय सप्ताह (आईडब्ल्यूडी) के रूप में मनाया जाता है। 2022 में, IWD 19 सितंबर से 25 सितंबर 2022 तक मनाया जा रहा है। 2022 अंतर्राष्ट्रीय बधिर लोगों के सप्ताह का विषय "सभी के लिए समावेशी समुदायों का निर्माण" है। यह वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ द डेफ (WFD) की एक पहल है और इसे पहली बार 1958 में रोम, इटली में उस महीने के उपलक्ष्य में लॉन्च किया गया था जब WFD की पहली विश्व कांग्रेस आयोजित की गई थी।

दैनिक विषय:

- सोमवार 19 सितंबर 2022: शिक्षा में सांकेतिक भाषा
- मंगलवार 20 सितंबर 2022: बधिर लोगों के लिए सतत आर्थिक अवसर
- बुधवार 21 सितंबर 2022: सभी के लिए स्वास्थ्य
- गुरुवार 22 सितंबर 2022: संकट के समय में बधिरों की सुरक्षा करना
- शुक्रवार 23 सितंबर 2022: सांकेतिक भाषाएं हमें एकजुट करें!
- शनिवार 24 सितंबर 2022: अंतर्विभागीय बधिर समुदाय
- रविवार 25 सितंबर 2022: कल के लिए बहरा नेतृत्व

बधिरों का अंतर्राष्ट्रीय सप्ताह: इतिहास

19 दिसंबर 2017 को, संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 23 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय सांकेतिक भाषा दिवस (IDSL) के रूप में घोषित किया। वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ डेफ (डब्ल्यूएफडी) के एक मूल अनुरोध के बाद, संयुक्त राष्ट्र में एंटीगुआ और बारबुडा के स्थायी मिशन के माध्यम से प्रस्ताव प्रस्तावित किया गया था। कनाडा सहित संयुक्त राष्ट्र के 97 सदस्य देशों ने सह-प्रायोजक के रूप में प्रस्ताव को अपनाने के लिए मतदान किया। 23 सितंबर का चुनाव 1951 में WFD की स्थापना की तारीख को याद करता है। IDSL का उद्देश्य सांकेतिक भाषाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उनकी सांकेतिक भाषाओं की स्थिति को मजबूत करना है।

आईडीएसएल सितंबर के अंतिम पूर्ण सप्ताह को अंतर्राष्ट्रीय बधिर सप्ताह (आईडब्ल्यूडीएएफ) के हिस्से के रूप में होता है, जिसे 1958 में डब्ल्यूएफडी द्वारा मान्यता दी गई थी और मनाया गया था। आईडब्ल्यूडीफ कनाडा और दुनिया भर में संबंधित बधिर समुदायों द्वारा विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मनाया जाता है। इन गतिविधियों में परिवारों, साथियों, सरकारी निकायों, पेशेवर सांकेतिक भाषा दुभाषियों और विकलांग व्यक्ति संगठनों (डीपीओ) सहित विभिन्न हितधारकों की भागीदारी और भागीदारी की आवश्यकता होती है।

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह भारत का पहला स्वच्छ सुजल प्रदेश बना

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री **गजेंद्र सिंह शेखावत** ने **अंडमान और निकोबार द्वीप समूह** को भारत का पहला **स्वच्छ सुजल प्रदेश घोषित किया।** इस उपलब्धि के साथ, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के सभी गांवों को हर घर जल प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ है और उन्हें ओडीएफ प्लस खुले में शौच मुक्त के रूप में सत्यापित किया गया है। सुरक्षित पेयजल आपूर्ति और इसका प्रबंधन सुजल और स्वच्छ का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

सुजल और स्वच्छ राज्य के तीन महत्वपूर्ण घटक हैं:

(i) सुरक्षित और सुरक्षित पेयजल आपूर्ति और प्रबंधन;

(ii) ओडीएफ प्लस ओडीएफ स्थायित्व और ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन (एसएलडब्ल्यूएम) और

(iii) अभिसरण, आईईसी, कार्य योजना आदि जैसे क्रॉस-कटिंग हस्तक्षेप

Shri Gajendra Singh Shekhawat
Hon'ble Union Minister of Jal Shakti
Admiral D.K. Jo
Congratulations
Swachh Sujal Pradesh

प्रमुख बिंदु:

- अंडमान और निकोबार द्वीप पर, तीन जिलों के 9 ब्लॉकों में 266 गांवों में फैले 62,000 ग्रामीण परिवार हैं। केंद्र शासित प्रदेश ने सभी 368 स्कूलों, 558 आंगनवाड़ी केंद्रों और 292 सार्वजनिक संस्थान केंद्रों को पाइप से पानी की आपूर्ति की है।
- अंडमान और निकोबार द्वीप जो मुख्य भूमि से दूर स्थित है, भारत के बाकी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गया है।
- विश्व जल दिवस, 22 मार्च 2021 को, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह ने ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन के साथ 100% कवरेज हासिल करने की घोषणा की। यह गोवा और तेलंगाना के बाद ग्रामीण घरों में नल के पानी की आपूर्ति के साथ 100% कवरेज हासिल करने वाला देश का तीसरा राज्य / केंद्र शासित प्रदेश बन गया।
- अंडमान और निकोबार द्वीप (यूटी) उपराज्यपाल: एडमिरल डी के जोशी।

वाराणसी को 2022-2023 के लिए पहली एससीओ पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी के रूप में नामित किया गया

समरकंद में एससीओ परिषद की 22वीं बैठक में 2022-2023 के दौरान वाराणसी शहर को पहली सांस्कृतिक और पर्यटन राजधानी के रूप में नामित किया गया है। समरकंद में एससीओ परिषद की 22वीं बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। शंघाई सहयोग संगठन 2022 कोविड -19 महामारी के बाद क्षेत्रीय समूह की पहली व्यक्तिगत बैठक थी जिसमें प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भाग लिया था।

वाराणसी से संबंधित प्रमुख बिंदु

- पहली एससीओ पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी के रूप में नामित होने के बाद वाराणसी को भारत और एससीओ सदस्य देशों के बीच पर्यटन और सांस्कृतिक और मानवीय आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा।
- यह एससीओ के सदस्य देशों के साथ भारत के प्राचीन सभ्यतागत संबंधों पर जोर देगा।
- 2032-2023 के दौरान वाराणसी में एक प्रमुख सांस्कृतिक आउटरीच कार्यक्रम की रूपरेखा के तहत विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।
- संस्कृति के दौरान एससीओ सदस्य राज्य से भाग लेने के लिए कई मेहमानों को आमंत्रित किया जाएगा।
- वाराणसी के बारे में
- वाराणसी को बनारस या काशी के नाम से भी जाना जाता है। यह दुनिया के सबसे पुराने शहरों में से एक है। यह शहर हिंदू पौराणिक कथाओं और इतिहास के लिए जाना जाता है। यह शहर अध्यात्मवाद, योग, हिंदू पौराणिक कथाओं, संस्कृति और संस्कृत भाषा से जुड़ा हुआ है।

RACE IAS

जलवायु परिवर्तन भारतीय मानसून को कैसे बदल रहा है

- भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, 2022 में बाढ़ और सूखे की चरम घटनाओं ने दृढ़ता से दर्शाया है कि ग्लोबल वार्मिंग भारतीय मानसून को कैसे प्रभावित कर रही है।

मॉनसून के रुझान में अहम बदलाव

- मानसून में उतार-चढ़ाव में वृद्धि, जिसके परिणामस्वरूप लंबी शुष्क अवधि और भारी बारिश के छोटे दौर दोनों होते हैं।
- मानसून प्रणालियों के ट्रैक में बदलाव, जैसे कम दबाव और अवसाद अपनी स्थिति के दक्षिण में यात्रा करते हैं। इस बदलाव के परिणामस्वरूप, मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में इस मौसम में अधिक वर्षा दर्ज की जा रही है।
- पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार में सामान्य बारिश नहीं हुई।
- 20 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध के दौरान भारत में मानसून की वर्षा कम बार लेकिन अधिक तीव्र हो गई।

मानसून में बदलाव के परिणाम

- बढ़ते तापमान और आर्द्रता के साथ बारिश का असमान वितरण कीटों के हमलों और बीमारियों को जन्म देता है। मानसून प्रणालियों के ट्रैक में परिवर्तन खरीफ फसलों, विशेष रूप से चावल की मात्रा के साथ-साथ गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है। हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियरों का पिघलना। पूरे दक्षिण एशिया में चरम मौसम की घटनाओं में वृद्धि (भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान में हाल ही में अचानक बाढ़ / बाढ़ और चीन में सूखा)।

RACE IAS